अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-III

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2019 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for M.A. Programme

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :** वैज्ञानिक साहित्य का अनुमान लगाएं, जांच की भावना पैदा करें और परिकल्पना और शोध प्रश्नों को तैयार करने, परीक्षण करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और स्थापित करने में सक्षम हों और उत्तर खोजने के लिए प्रासंगिक स्रोतों की पहचान करना और उनसे परामर्श करना। शिक्षा विदों और अनुसंधान नैतिकता, वैज्ञानिक आचरण पर जोर देते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक शोधपत्र/परियोजना की योजना बनाने और लिखने में सक्षम बने।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक चिंता और समानता केंद्रित राष्ट्रीय विकास का प्रदर्शन करें और नैतिक और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करें और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध हों।
PO3	**सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :** समूह सेटिंग्स में दूसरों के विचारों को समायोजित करने और अपनी राय और जटिल विचारों को लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करें। विचारों और विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करें, उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, वैश्विक दक्षताओं को पूराकरने के लिए प्रभावी इंटरैक्टिव और प्रस्तुतीकरण कौशल का निर्माण करें। दूसरों के विचार प्राप्त करें, जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें और समझने में मदद करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने और अंतः विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए एक टीम के हिस्से के रूप में स्वतंत्र रूप से और सहयोगात्मक रूप से प्रदर्शन करें। पारस्परिक संबंध, आत्म-प्रेरणा और अनुकूलनशीलता कौशल निष्पादित करें और प्रतिबद्ध रहें।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** सामाजिक-तकनीकी परिवर्तनों के व्यापक संदर्भ में आत्म-निर्धारित लक्ष्यों को उत्साहपूर्वक प्राप्त करनेवाले जीवनभर सीखनेवाले बने रहने के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें। व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवनभर सीखने में संलग्न रहने कीक्षमता हासिल करें।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और टिकाऊपन के ज्ञान और आवश्यकता को प्रदर्शित करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** अपने आस-पास की स्थितियों की बारीकी से जांच करके समस्याओं की पहचान करें और घटनाओं के बारे में समग्र रूप से सोचें और इन समस्याओं का व्यवहार्य समाधान निकालें। आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और वैज्ञानिक ग्रंथों को समझें और वैज्ञानिक बयानों और विषयों को संदर्भों में रखें और सामान्य सम्मेलनों के संदर्भ में उनका मूल्यांकन भी करें। स्थिति को बारीकी से देखकर समस्या को पहचान लें कार्रवाई और पार्श्वसोच और विश्लेषणात्मक कौशल को लागू करें।

Course Structure for M .A.-II, Hindi (2019 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
III	Major (Mandatory)	HIN5301	सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य 1 (महाकाव्य तथा खंडकाव्य)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN5302	विशेष स्तर : भाषा विज्ञान	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN5303	विशेष स्तर –हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN5304	विशेष स्तर – आधुनिक हिंदी आलोचना	Theory	04
			Total Credits Semester- III		**16**

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला HINDI [M.A.-II]

SEMISTER – III

सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य 1
(महाकाव्य तथा खंडकाव्य)

PAPER CODE : HIN5301

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme	**:** M.A. Hindi
Program Code	**:** HIN
Class	**:** M. A. - II
Semester	**:** III
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**:** सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य 1 (महाकाव्य तथा खंडकाव्य)
Course Code	**:** HIN5301
No. of Lectures	**:** 60
No. of Credits	**:** 04

a) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. छात्रों को आधुनिक काल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।
3. आधुनिक युग में इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम का परिचय देना।
4. छात्रों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरूप एवं विकासक्रम परिचय देना।
5. आधुनिक युग में इन काव्य प्रकारों रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन के लिए दृष्टि देना।
6. काव्य आकलन की दृष्टि निर्माण करना।
7. काव्य सृजन के लिए प्रोत्साहित करना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचय होंगे।

CO2-प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप से परिचित कराना।

CO3-आधुनिक कवि तथा उनकी रचनाओं से परिचित होंगे।

CO4-छात्र काव्य सृजन के लिए प्रेरित होंगे।

CO5-छात्र काव्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों को आत्मसात करेंगे।

CO6-छात्रों को काव्य का आकलन होगा और काव्य के प्रति रोचकता बढ़ेंगी।

CO7-छात्रों को काव्य के माध्यम से विभिन्न परिस्थितियों से रूबरू होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. परिचर्चा।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 09
सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य 1
(महाकाव्य तथा खंडकाव्य)
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कमांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम :

(1) कामायनी : जयशंकर प्रसाद

प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

केवल 'चिंता', 'श्रद्धा', 'इड़ा' तथा 'आनंद' सर्गों का अध्ययन

अध्ययनार्थ विषय :

1. 'कामायनी' की कथा में इतिहास और कल्पना
2. 'कामायनी' में चरित्र–चित्रण
3. 'कामायनी' में रूपक तत्व
4. 'कामायनी' का महाकाव्यत्व
5. 'कामायनी' की दार्शनिकता
6. 'कामायनी' का कला पक्ष–भाषा, अलंकार, छंद विधान

(2) गोपा गौतम : जगदीश गुप्त

प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

अध्ययनार्थ विषय :

1. खंड़काव्य का स्वरूप और विशेषताएँ
2. गोपा गौतम खंड़काव्य की कथावस्तु
3. गोपा गौतम खंड़काव्य का चरित्र–चित्रण

(तासिकाएँ 30 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 02)

4. गोपा गौतम खंड़काव्य का उद्देश्य
5. गोपा गौतम खंड़काव्य में आधुनिकबोध
6. गोपा गौतम खंड़काव्य में चित्रित वातावरण
7. गोपा गौतम खंड़काव्य का शिल्प तथा कला पक्ष

(भाषा, बिंब विधान, प्रतीक योजना और अलंकार)

श्रेयांक/कर्मांक = 02 कुल श्रेयांक/कर्मांक = 04

———————————————

(तासिकाएँ 30 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 02)

संदर्भ ग्रंथ :

1. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
2. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ नगेंद्र
3. कामायनी चिंतन – विमलकुमार जैन
4. कामायनी : एक नवीन दृष्टि – प्रो. रमेशचंद्र गुप्त
5. कामायनी : इतिहास और रूपक –सुशीला भारती
6. कामायनी विमर्श – भगीरथ दीक्षित
7. कामायनी कला और दर्शन – राममूर्ति त्रिपाठी
8. कामायनी एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध
9. कामायनी पुनर्मूल्यांकन – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता में महाभारत के पात्र – डॉ.जे.आर.बोरसे
11. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ. संतोषकुमार तिवारी
12. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
13. मैथिलीशरण गुप्त के खंड़काव्यों का अनुशीलन – डॉ. योगिता हिरे
14. नई कविता – डॉ. देवराज
15. नई कविता – आ. नंददुलारे वाजपेयी
16. जगदीश गुप्त का काव्य विविध आयाम–डॉ. सुरेश शिंदे, अभय प्रकाशन, कानपुर
17. नई रचना और रचनाकार – डॉ. दयानंद शर्मा, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
18. जगदीश गुप्त का काव्य चिंतन और सृजन–डॉ. सुजीतकुमार शर्मा,श्यामा प्रकाशन,

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - III) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN5301

Tittle of Course : आधुनिक काव्य - 1

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1									
CO 2	2							3	
CO 3									
CO 4				2	3	2			
CO 5		3	3						
CO 6						3			
CO 7			2			3	2		
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO2- प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरुप से परिचित कराते हुए उनमें अनुसंधान की दृटि विकसित कराना।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO5- छात्र काव्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों को आत्मसात करके उनमें नैतिक गुण विकसित होगा।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO5- छात्र काव्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों को आत्मसात करेंगे।

CO7-छात्रों काव्य के माध्यम से विभिन्न परिस्थितियों से रूबरू होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO4- छात्र काव्य सृजन के लिए प्रेरित होकर उनमें रचनात्मक दृष्टि विकसित होगी।

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO4- छात्र काव्य सृजन के लिए प्रेरित होकर उनमें व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता का विकास होगा।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO4- छात्र काव्य के माध्यम से मानवीय मूल्यों को आत्मसात करेंगे।

CO6- छात्रों को काव्य का आकलन होगा और काव्य के प्रति रोचकता बढ़ेंगी।

CO7- छात्रों को काव्य के माध्यम से विभिन्न परिस्थितियों से रूबरू होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

CO7- छात्रों को काव्य के माध्यम से विभिन्न परिस्थितियों से रूबरू होकर नियमोंका पालन करेंगे।

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO2- प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप से परिचित कराते हुए अनुसंधान की दृष्टि विकसित कराना।

.....

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला HINDI [M.A.]

SEMISTER – III

विशेष स्तर : भाषा विज्ञान

PAPER CODE : HIN5302

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme : M.A. Hindi
Program Code : HIN
Class : M. A. - II
Semester : III
Course Type : Major Mandatory
Course Name : विशेष स्तर : भाषा विज्ञान
Course Code : HIN5302
No. of Lectures : 60
No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना।
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।
3. भारती आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना।
4. हिंदी के शब्द भंड़ार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।
5. हिंदी के शब्द–भेदों के विकास क्रम का विवरण देना।
6. हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना।
7. साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों एवं शाखाओं से परिचित होंगे।
CO2-अपनी चीर परिचित भाषा के विषय में जिज्ञासा प्राप्त होंगी।
CO3-भाषा के माध्यम से ऐतिहासिक संस्कृति का परिचय होगा।
CO4-विभिन्न भाषाओं को सीखने में सहायता होंगी।
CO5-छात्र भाषा, लिपि आदि में सरलता शुद्धता से परिचित होंगे।
CO6-छात्रों के माध्यम से समाज में भाषा के विकास का प्रसार होगा।
CO7-विभिन्न भाषाओं में लिखित रचनाओं से छात्र परिचित होंग।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. भाषा प्रयोगशाला में प्रयोग।
6. परिचर्चा तथा अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 10
विशेष स्तर – भाषा विज्ञान
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/क्रमांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ विषय :

1. भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा के अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति। भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।भाषा विज्ञान की शाखाएँ–कोश विज्ञान, व्युत्पत्ति विज्ञान, लिपि विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान, मानक हिंदी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रूपगत)भाषा–भूगोल का सामान्य परिचय।

2. स्वन विज्ञान : स्वन विज्ञान का स्वरूप, स्वन विज्ञान की शाखाएँ –औच्चारिकी तथा श्रोतिकी, स्वन की परिभाषा और वर्गीकरण, स्वर वर्गीकरण– जिह्वा के व्यवहृत भाग, जिह्वा की उँचाई तथा होठों की आकृति के आधार पर–मानस्वर, संयुक्त स्वर। व्यंजन वर्गीकरण –स्थान, प्रयत्न और घोषत्व के आधार पर।

3. स्वनिम विज्ञान : स्वनिम की परिभाषा और स्वरूप, स्वनिम की विशेषताएँ, स्वन और स्वनिम में अंतर, स्वनिमिक विश्लेषण। स्वनिम के भेद खंडात्मक, अधिखंड़ात्मक, स्वनिम, लिप्यंकन।

4. रूप विज्ञान :– रूप की परिभाषा और स्वरूप, रूपिम का स्वरूप, रूपिम के भेद – संरचना की दृष्टि से – मुक्त, बद्ध, संपृक्त रूप । अर्थ की दृष्टि से – अर्थदर्शी (अर्थतत्व), संबंधदर्शी (संबंधतत्व) । खंडात्मकता की दृष्टि से– खंडात्मक और अधिखंडात्मक ।

5. वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, वाक्य संबंधी सिद्धांत–अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद। वाक्य के अंग – उद्देश्य, विधेय। वाक्य के निकटस्थ अवयव। वाक्य विश्लेषण –मूलवाक्य, रूपांतरित वाक्य, आंतरिक संरचना, बाह्य संरचना। वाक्य के भेद –रचना, क्रिया और अर्थ के आधार पर।

6. अर्थ विज्ञान – अर्थ की प्रतीति, शब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ बोध के साधन। अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और अर्थ परिवर्तन के कारण।

7. भाषा विज्ञान और साहित्य – साहित्य के अध्ययन में भाषा–विज्ञान के अंगों की उपयोगिता ।

कुल श्रेयांक/कर्मांक = 04

(तासिकाएँ 30 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 02)
(तासिकाएँ 30 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 02)

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान – डॉ. राजमल बोरा
3. भाषा विज्ञान की भूमिका–सैद्धांतिक विवेचन–डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
5. भाषा विज्ञान– सैद्धांतिक विवेचन – रवींद्र श्रीवास्तव
6. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा– द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
7. भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. केशवदेव रूपाली
9. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत
10. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
11. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
12. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. कृपाशंकर सिंह
13. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ. रामकिशोर शर्मा
14. भाषा और भाषा विज्ञान – डॉ. तेजपाल चौधरी
15. भाषा–ब्लूमफील्ड (अनुवादक– डॉ. विश्वनाथ प्रसाद)
16. हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारीच
17. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास– डॉ. उदयनारायण तिवारी
18. हिंदी का उद्भव, विकास और रूप – डॉ. हरदेव बाहरी
19. हिंदी की ग्रामीण बोलियाँ – डॉ. हरदेव बाहरी
20. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप–डॉ.अंबाप्रसाद'सुमन'
21. हिंदी भाषा – कैलाशचंद्र भाटिया
22. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी
23. भारतीय लिपियों की कहानी – गुणाकर मुले
24. नागरी लिपि रूप और सुधार – मोहन ब्रिज
25 नागरी लिपि का उद्भव और विकास– डॉ.ओमप्रकाश भाटिया
26. नागरी की लिपि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
27. भारत की भाषाएँ – डॉ. राजमल बोरा
28. हिंदी भाषा का विकासात्मक इतिहास–डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
29. हिंदी भाषा का इतिहास और स्वरूप – डॉ. राममूर्ति शर्मा
30. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. केशवदत्त रूपाली
31. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा की भूमिका – त्रिलोचन पांडेय
32. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास – डॉ. देवेंद्र प्रताप सिंह
33. भाषा विज्ञान और हिंदी – डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'
34. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा– डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
35. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा
36. भाषा विज्ञान प्रवेश और हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
37. अभिनव भाषा विज्ञान – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
38. आधुनिक भाषा विज्ञान – कृपाशंकर सिंह/चतुर्भुज सहाय

———————————————

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - III) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN5302

Tittle of Course : भाषा विज्ञान

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1									
CO 2	2								
CO 3		2							
CO 4					3				
CO 5					3				
CO 6			3			3			
CO 7									
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO2- अपनी चीर परिचित भाषा के विषय में जिज्ञासा प्राप्त होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO3- भाषा के माध्यम से ऐतिहासिक संस्कृति का परिचय होगा।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO6- छात्रों के माध्यम से समाज में भाषा के विकास का प्रसार होगा।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO4- विभिन्न भाषाओं को सीखने में सहायता होंगी।

CO5- छात्र भाषा, लिपि आदि में सरलता शुद्धता से परिचित होंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO6- छात्रों के माध्यम से समाज में भाषा के विकास का प्रसार होगा।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला HINDI [M.A.]

SEMISTER – III

विशेष स्तर –हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

PAPER CODE : HIN5303

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme : M.A. Hindi
Program Code : HIN
Class : M. A. - II
Semester : III
Course Type : Major Mandatory
Course Name : विशेष स्तर –हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)
Course Code : HIN5303
No. of Lectures : 60
No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित कराना।
4. जैन, सिध्द, नाथ और अपभ्रंश साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना।
5. युगीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।
6. हिंदी साहित्य के इतिहास का महत्व समझाना।
7. हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से युगबोध कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-हिंदी के इतिहास लेखन की परंपरा का परिचय होगा।
CO2-विभिन्न कालों के सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों का ज्ञान होगा।
CO3-प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं का परिचित होगा।
CO4-साहित्य और युग जीवन का संबंध विशद करने की क्षमता निर्माण होंगी।
CO5-भक्ति, प्रेम, वीर, श्रृंगार आदि रसों का परिचय होगा।
CO6-मूल्यों में आए हुए परिवर्तन से परिचित होंगे।
CO7-हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से संशोधन करने की जीज्ञासा निर्माण होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. परिचर्चा।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्नपत्र 11
विशेष स्तर –हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/क्रमांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

स्वाध्याय के लिए विषय :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन
2. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, पद्धतियाँ, प्रमुख इतिहास ग्रंथ, हिंदी के प्रमुख साहित्यिक केंद्र, संस्थाएं एवं पत्र–पत्रिकाएँ, सीमा निर्धारण,
3. हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण।

सूचना – उपर्युक्त तीन विषय केवल स्वाध्याय के लिए हैं।

श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01

अध्ययनार्थ विषय :

आदिकाल :

1. आदिकाल का प्रारंभ – विविध आचार्यों की मान्यताएँ।
2. आदिकाल के नामकरण के विविध आधार और विविध नाम –चारणकाल, सिद्ध सामंत काल, बीजवपन काल तथा वीरगाथाकाल।
3. आदिकालीन पृष्ठभूमि/परिस्थितियाँ – सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक और उनका तत्कालीन साहित्य पर प्रभाव।
4. सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य और जैन साहित्य का परिचय।
5. रासो काव्य की परंपरा – 'रासो' शब्द के विभिन्न अर्थ, रासो के प्रकार – जैन, रासो, धार्मिक रासो, वीर रासो ।
6. आरंभिक गद्य तथा लौकिक साहित्य।
7. कवि विद्यापति का साहित्यिक परिचय।

भक्तिकाल :

1. भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार संत, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतः प्रादेषिक वैशिष्ट्य।
2. भक्तिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि–सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक तथा साहित्यिक।

   हिंदी संत काव्य : संत का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि कबीर, नानक, रैदास, दादू, भारतीय धर्म साधना में संत कवियों का स्थान।

   हिंदी सूफी काव्य : सूफी काव्य का वैचारिक आधार, सूफी काव्य का स्वरूप और हिंदी के प्रमुख सूफी कवि।
3. सगुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएँ– रामभक्ति विविध संप्रदाय, रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि, हिंदी कृष्ण काव्य : विविध संप्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य, भ्रमरगीत

परम्परा, गीति परंपरा और हिंदी कृष्ण काव्य – मीरा, रसखान।

4. भक्तिकालीन साहित्य की सामाजिक उपादेयता–कबीर और तुलसीदास के संदर्भ में।
5. भक्तिकालीन नीति साहित्य का परिचय और रहीम।

(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

(तासिकाएँ 30 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 02)

रीतिकाल :

1. रीतिकाल के मूल स्रोत, रीतिकाल की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ।
2. रीतिकालीन साहित्य पर संस्कृत साहित्य तथा भक्तिकालीन हिंदी साहित्य का प्रभाव।
3. रीतिकाल के विविध नाम और उनके आधार, रीतिकालीन साहित्य–रीतिबध्द, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त काव्य की विषयगत और शैलीगत प्रवृत्तियाँ।
   1. रीतिकाल का श्रृंगारेतर साहित्य– भक्ति, वीर तथा नीति, रीतिकाल में लोकजीवन।

   2. रीतिकालीन प्रमुख कवियों का परिचय – केशवदास, देव, चिंतामणि, सेनापति, मतिराम, पद्माकर, घनानंद।

कुल श्रेयांक/कर्मांक = 04

————————————————————

(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा. डॉ. नगेंद्र
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास– डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्यामचंद्र कपूर (प्रभात प्रकाशन,दिल्ली)
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
8. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ – डॉ. गोविंदराम शर्मा
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशनप्रसाद खंडेलवाल
10. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाबराय
11. आधुनिक साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
12. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
13. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. रामकुमार वर्मा
14. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास – डॉ. उमेश शास्त्री
15. हिंदी साहित्य : एक परिचय – डॉ. त्रिभुवन सिंह
16. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास– डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
17. हिंदी रीति साहित्य – डॉ. भगीरथ मिश्र
18. रीतियुगीन काव्य – डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
19. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेंद्र
20. हिंदी रीतिकालीन पर काव्य संस्कृत काव्य का प्रभाव– डॉ. दयानंद शर्मा

21. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल – श्री. नारायण चतुर्वेदी
22. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा
23. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास – डॉ. सभापति मिश्र
24. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के
25. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास – डॉ. मोहन अवस्थी
26. हिंदी साहित्य का सही इतिहास–डॉ. चंद्रभानु सोनवने,सूर्यनारायन रणसुभे

——————————————————

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - III) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN5303

Tittle of Course : हिंदी साहित्य का इतिहास

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1									
CO 2		2	3						
CO 3					3				
CO 4			2		3	2		3	
CO 5							1		
CO 6		2		3					
CO 7	3							3	
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO7- हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से संशोधन करने की जीज्ञासा निर्माण होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO6- मूल्यों में आए हुए परिवर्तन से परिचित होंगे।

CO2- विभिन्न कालों के सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों का ज्ञान होगा।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO4- साहित्य और युग जीवन का संबंध विशद करने की क्षमता निर्माण होंगी।

CO2- विभिन्न कालों के सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों का ज्ञान होगा।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO6- मूल्यों में आए हुए परिवर्तन से परिचित होंगे।

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO3- प्रतिनिधि कवियों और उनकी रचनाओं से परिचित होंगे।

CO4- साहित्य और युग जीवन का संबंध विशद करने की क्षमता उनमें निर्माण होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO4- साहित्य और युग जीवन का संबंध विशद करने की क्षमता उनमें निर्माण होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

CO5- भक्ति, पे्रम, वीर, श्रृंगार आदि रसों का परिचय होगा।

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO4- साहित्य और युग जीवन का संबंध विशद करने की क्षमता निर्माण होंगी।

CO7- हिंदी साहित्य का इतिहास के माध्यम से संशोधन करने की जीज्ञासा निर्माण होंगी।

.....

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला HINDI [M.A.]

SEMISTER – III

विशेष स्तर – आधुनिक हिंदी आलोचना

PAPER CODE : HIN5304

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme : M.A. Hindi
Program Code : HIN
Class : M. A. - II
Semester : III
Course Type : Major Mandatory
Course Name : विशेष स्तर – आधुनिक हिंदी आलोचना
Course Code : HIN5304
No. of Lectures : 60
No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को आलोचना के स्वरूप से परिचित कराना ।
2. हिंदी आलोचना के विकास का परिचय देना ।
3. हिंदी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धतियों से अवगत कराना ।
4. हिंदी आलोचकों के प्रदेय से परिचित कराना ।
5. छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कराना ।
6. आलोचना में आलोचकों के योगदान से परिचित कराना ।
7. आलोचना के माध्यम से चिकित्सक वृत्ति से परिचित कराना ।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्र आलोचना के स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2-हिंदी आलोचना के विकास से परिचय होंगे।
CO3-आलोचना के माध्यम से छात्रों में संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।
CO4-समाज तथा राष्ट्रीय हित की भावना जागृत करना।
CO5-आलोचना की विभिन्न पद्धतियों से परिचित होंगे।
CO6-आलोचना का महत्व समझ पाएंगे।
CO7-आलोचना से मानवतावादी दृष्टिकोण विकसित होंगा।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा तथा परिचर्चा ।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों, संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

एम.ए.(हिंदी) तृतीय सत्र
प्रश्न पत्र 12 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
(सूचना : अ, आ, इ में से किसी एक प्रश्नपत्र का अध्ययन करना है)
(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना
(इस प्रश्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/क्रमांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ विषय :

1. आलोचना : स्वरूप, उद्देश्य, आलोचना की प्रक्रिया ।
2. आलोचना और अनुसंधान, आलोचक के गुण ।
3. हिंदी आलोचना का विकास क्रम, हिंदी आलोचना और सर्जनशील साहित्य। हिंदी आलोचना में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी योगदान।
4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता –हिंदी आलोचना में उनका योगदान ।
5. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता– हिंदी आलोचना में उनका योगदान ।
6. डॉ. नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता–हिंदी आलोचना में उनका योगदान ।
7. डॉ. नगेंद्र की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता–हिंदी आलोचना में उनका योगदान ।
8. डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषताएँ, हिंदी आलोचना में उनका योगदान ।
   (तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)
   (तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)
   (तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)
9. डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषताएँ, हिंदी आलोचना में उनका योगदान।
10. समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ :विडम्बना (आयरनी), अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड), अंतर्विरोध (पैराडॉक्स), विखंडन (डीकन्स्ट्रक्शन)।

कुल श्रेयांक/कर्मांक = 04 (तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी आलोचना : स्वरूप और प्रक्रिया – आनंदप्रकाश दीक्षित
2. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत – डॉ. रामलाल सिंह
3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना– डॉ. रामविलास शर्मा
4. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदीः व्यक्तित्व और साहित्य– डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
5. आ. नंददुलारे वाजपेयीः व्यक्तित्व और साहित्य–डॉ.रामाधार शर्मा
6. हिंदी आलोचना का इतिहास – डॉ. रामदरश मिश्र
7. हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास – भगवत स्वरूप मिश्र
8. हिंदी के विशिष्ट आलोचक – नंदकुमार राय
9. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ – डॉ. रामेश्वर खंडेलवाल
10. हिंदी की सैद्धांतिक समीक्षा – डॉ. रामाधार शर्मा
11. हिंदी की सैद्धांतिक आलोचना – डॉ. रूपकिशोर मिश्र
12. हिंदी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ – डॉ. रामदरश मिश्र
13. हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल –डॉ.शिवकुमार मिश्र
14. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – संपा. विश्वनाथ तिवारी
15. डॉ. नगेंद्र के आलोचना सिद्धांत – नारायण प्रसाद चौबे
16. डॉ. रामविलास शर्मा – डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी
17. आलोचक रामविलास शर्मा – डॉ. नत्थन सिंह
18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अधुनातम संदर्भ– डॉ. सत्यदेव मिश्र
19. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
20. काव्यशास्त्र – डॉ. सुधाकर कलावडे
21. साहित्य अध्ययन की दृष्टियॉ– संपा. डॉ. उदय भानु सिंह, डॉ. उदयप्रकाश
22. आधुनिकता बनाम उत्तर आधुनिकता– संपादक–डॉ. संजीव कुमार जैन

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - III) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN5304

Tittle of Course : आधुनिक हिंदी आलोचना

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1	3								
CO 2	3								
CO 3	3				3	3		3	
CO 4		2	2				1		
CO 5								3	
CO 6				2	2			3	
CO 7			3					3	
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO1- छात्र आलोचना के स्वरूप से परिचित होंगे।

CO2- हिंदी आलोचना के विकास से परिचय होंगे।

CO3- आलोचना के माध्यम से छात्रों में संशोधन वृत्ति विकसित होंगी ।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO4- समाज तथा राष्ट्रीय हित की भावना जागृत करना।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO7- आलोचना से मानवतावादी दृष्टिकोण विकसित होंगा।

CO4- समाज तथा राष्ट्रहित की भावना जागृत होंगी।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO6- आलोचना के महत्व समझ कर उसका अनुपालन करेंगे।

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO6- आलोचना का महत्व समझ पाएंगे।

CO3- आलोचना के माध्यम से छात्रों में संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO3- आलोचना के माध्यम से छात्रों में संशोधन वृत्ति विकसित होंगी ।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

CO4- समाज तथा राष्ट्रहित की भावना जागृत होंगी।

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO6- आलोचना का महत्व समझ पाएंगे।

CO7- आलोचना से मानवतावादी दृष्टिकोण विकसित होगा।

CO3- आलोचना के माध्यम से छात्रों में संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

CO5- आलोचना की विभिन्न पद्धतियों से परिचित होंगे।

.....